ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या–07
दिनांक– मंगलवार, 23 जनवरी, 2024

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 16.3 एवं 7.9 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 94 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 81 प्रतिशत, हवा की औसत गति 7.9 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पन 1.2 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 1.7 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 12.6 एवं दोपहर में 19.0 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा तथा सुबह में मध्यम से घने कुहासा देखा गया।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(24–28 जनवरी, 2024)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 24–28 जनवरी, 2024 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में मौसम के शुष्क रहने का अनुमान है। अगले 2–3 दिनों तक उत्तर पश्चिम बिहार के कुछ जिलों में **"कोल्ड डे"** की स्थिति बने रहने की सम्भावना है। अन्य जिलों में भी दिन के तापमान सामान्य से 3–5 डिग्री सेल्सियस कम रहने के कारण **"प्रचंड ठण्ड"** की स्थिति बने रहने का अनुमान है।
- अधिकतम तापमान 16 से 18 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 7 से 9 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। न्यूनतम तापमान सामान्य से नीचे रह सकता है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन 3 से 5 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से पछिया हवा हवा चलने का अनुमान है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में करीब 90 से 95 प्रतिशत तथा दोपहर में 55 से 65 प्रतिशत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- मक्का की फसल में सिंचाई के बाद 25–30 किलोग्राम नेत्रजन प्रति हेक्टेयर की दर से उपरिवेशन करें, जिससे कम तापमान तथा शीतलहर के प्रभाव से फसल पर हुए नुकसान को कम किया जा सके।
- खड़ी फसलो में सिंचाई करें। फसलों में कीटनाषक दवाओं का छिड़काव करें। इस अवधि के दौरान सरसों की तैयार फसलों की कटाई करें।
- इस समय आम एवं लीची में मंजर आने की संभावना अधिक रहती है। अतः किसान भाई अपने आम एवं लीची के बागानों में किसी भी प्रकार का कर्षण क्रिया नहीं करें। इन बगानों में जहाँ दीमक की समस्या हो, क्लोरपाईरिफॉस 20 ई0सी0/2.5 मी0ली0 प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर मुख्य तने एवं उसके आस–पास की मिट्टी में छिड़काव करने से दीमक की उग्रता में कमी आती है। मधुआ एवं दहिया कीटों का प्रकोप कम करने के लिए वृक्षों में इमिडाक्लोप्रीड 17.8 एस0एल0 अथवा साइपरमेथ्रीन 10 ई0सी0/1.0 मि0ली0/ली0 पानी की दर से घोल बनाकर समान रुप से छिड़काव करें। घुलनशील गंधक (सल्फर) 80 डब्लू0पी0/2 ग्राम/लीटर पानी की दर से घोल कर पत्तियों पर समान रुप छिड़काव करने से आने वाले समय में पौउड्री मिल्डेव की उग्रता में कमी आती है।
- मटर में फली छेदक कीट की निगरानी करें। इस कीट के पिल्लू फलियों में जालीनूमा आवरण बनाकर उसके नीचे फलियों में प्रवेश कर अन्दर ही अन्दर मटर के दानो को खाती रहती हैं। एक पिल्लू एक से अधिक फलियों को नष्ट करता है। अक्रान्त फलियॉ खाने योग्य नही रह जाती, जिससे उपज में अत्याधिक कमी आती है। कीट प्रबन्धन हेतु प्रकाश फंदा का उपयोग करें। 15–20 टी आकार का पंछी वैठका (वर्ड पर्चर) प्रति हेक्टर लगावे। अधिक नुकसान होने पर क्वीनालफास 25 ई0 सी0 या नोवाल्युरॉन 10 ई0 सी0 का 1 मि0 ली0 प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर फसल पर छिड़काव करें।
- सुर्यमुखी की बुआई करें। बुआई से पूर्व 100 क्विंटल कम्पोस्ट, 30 किलोग्राम नेत्रजन, 80 किलोग्राम स्फुर, 40 किलोग्राम पोटास प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करें। उत्तर बिहार के लिए सूर्यमूखी की उन्नत संकुल प्रभेद मोरडेन एवं पैराडेविक तथा संकर प्रभेद के लिए के0बी0एस0एच0–1, के0बी0एस0एच0–44, एम0एस0एफ0एच0–1, एम0एस0एफ0एच0–8 एवं एम0एस0एफ0एच0–17 अनुसंशित है। संकर किस्मों के लिए बीज दर 5 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर तथा संकुल किस्मों के लिए 8 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर रखें। बुआई से पहले प्रति किलोग्राम बीज को 2 ग्राम थीरम या कैप्टाफ दवा से उपचारित कर बुआई करे।
- बसन्तकालीन ईख एवं शकरकन्द की रोपाई/बुआई सप्ताहंत शुरू कर सकते है। अक्टुवर–नवम्बर महीनों मे रोपी गई ईख की फसल में सिंचाई करें।
- प्याज की फसल में थ्रिप्स कीट की निगरानी करें। यह प्याज को नुकसान पहुँचाने वाला मुख्य कीट है। यह आकार में अतिसुक्ष्म होता है तथा पत्तियों की सतह पर चिपक कर रस चुसते है जिससे पत्तियों का ऊपरी हिस्सा टेढ़ा–मेढा हो जाता है। पत्तियों पर दाग सा दिखाई देता है जो बाद में हल्के सफेद हो जाते है। जिससे उपज में काफी कमी आती है। थ्रीप्स की संख्या फसल में अधिक पाये जाने पर प्रोफेनोफॉस 50 ई0सी0 दवा का 1.0मि0ली0 प्रति लीटर पानी या इम्डिाक्लोप्रिड दवा का 1.0 मि.ली. प्रति 4 लीटर पानी की दर से घोलकर छिड़काव करें।

आज का अधिकतम तापमानः 13.0 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 8.1 डिग्री कम	आज का न्यूनतम तापमानः 5.6 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 3.6 डिग्री कम

(डॉ0 ए. सत्तार)
वरीय वैज्ञानिक सह नोडल पदाधिकारी (कृषि मौसम)